राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1273

21 सितंबर, 2020 को उत्तर के लिए

इस्पात संयंत्रों का आधुनिकीकरण

1273. डॉ. सांतनु सेन:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देश में सार्वजनिक क्षेत्र के सभी इस्पात संयंत्रों का विस्तार करने और आधुनिक बनाने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और विगत पाँच वर्षों के प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान उक्त उद्देश्य के लिए संयंत्र-वार कितना धन आवंटित और खर्च किया गया है; और

(ग) उक्त संयंत्रों के विस्तार और आधुनिक बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): चूंकि इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है, इसलिए सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों का विस्तार और आधुनिकीकरण करने का निर्णय वाणिज्यिक सोच विचारों और बाजार की गतिशीलता के आधार पर सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी द्वारा व्यक्तिगत रूप से लिए जाते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की दो इस्पात कंपनियों, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) ने अपने इस्पात संयंत्रों का विस्तारण और आधुनिकीकरण किया है। इसमें सेल के भिलाई (छत्तीसगढ़), बोकारो (झारखण्ड), राउरकेला (ओडिशा) दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल), बर्नपुर (पश्चिम बंगाल), सेलम (तमिनलाडू) में स्थित इस्पात संयंत्रों और विशाखापट्टनम (आंध्रप्रदेश) में आरआईएनएल के इस्पात संयंत्र शामिल हैं।

(ख): सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों के विस्तारण और आधुनिकीकरण के लिए वित्तपोषण, संबंधित सार्वजिक क्षेत्र की कंपनी द्वारा उनके अपने संसाधनों और/या बैंको/वित्तीय संस्थानों से लिए गए ऋण से किया जाता है।

(ग): सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनियों की परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी करती है ताकि विस्तारण और आधुनिकीकरण में तेजी लायी जा सके।

*****